दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 07 नवंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 40

महत्वपूर्ण एवं खास

बस की टक्कर से बाइक सवार दंपति सहित दो बच्चों की मौत

धार (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के धार जिले में गणपति घाट पर शनिवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें बस की टक्कर से बाइक पर सवार दंपति सहित दो बच्चों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार धामनोद निवासी देवी सिंह अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ बाइक से खरगोन जिले में स्थित बाकानेर गांव जा रहे थे, इसी दौरान राउ-खलघाट फोरमैन पर गणपति घाट के पास सामने से आ रही बस से टक्कर हो गई। यह हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार चारों की मौके पर ही मौत हो गई। चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए टोल एंबुलेंस के जरिए अस्पताल ले जाया गया, वही आक्रोशित ग्रामीणों ने इस घटना को लेकर विरोध दर्ज कराया।

भूकंप से कांपी उत्तराखंड की धरती, घरों से बाहर भागे लोग

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। दहशत में लोग घरों से बाहर निकल आए। टिहरी समेत देहरादून, उत्तरकाशी और अन्य जिलों में भी यह झटके महसूस किए गए। हालांकि, इससे किसी जान माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 रही। सुबह 8 बजकर 33 मिनट पर आए इस भूकंप का अभिकेंद्र टिहरी जिले में रहा। भूकंप का केंद्र सतह से 5 किलोमीटर की गहराई में था। देहरादून, उत्तरकाशी समेत अन्य जिलों में भी भूकंप महसूस किया गया। गौरतलब है कि, उत्तराखंड के कई क्षेत्र भूकंप के लिहाज से अति संवेदनशील जोन में आते हैं। यहां पिछले कुछ समय से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जाते रहे हैं।

यूपी में अमरूद चुराने पर व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

अलीगढ़ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में मानेना गांव के एक बाग से एक अमरूद चोरी करने के संदेह में एक दलित व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है और पीड़ित के परिवार द्वारा नामित दो आरोपियों बाग के मालिकों के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम की संबंधित धाराओं को लागू किया है। पुलिस उपाधीक्षक अभय पांडे ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। 25 वर्षीय पीड़ित ओम प्रकाश के भाई सत्य प्रकाश ने कहा, मेरा भाई जंगल में आराम करने गया था और घर लौटते समय उसने बाग में जमीन से एक अमरूद उठाया। हाथ में अमरूद देखकर कुछ बाग के मालिक भीमसेन और बनवारी सहित स्थानीय लोगों ने उसे लाठियों और अन्य भारी वस्तुओं से बेरहमी से तब तक पीटा जब तक कि वह होश नहीं खो बैठा। उसके शरीर पर असंख्य निशान थे। पुलिस ने बताया कि ओम प्रकाश जमीन पर बेहोश पड़ा मिला। वे उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां उसने दम तोड़ दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की जांच जारी है।

टेक्नोलॉजी की कमी नहीं, लापरवाही व लालच है पुल टूटने का कारण : आईआईटी एक्सपर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। हाल ही में गुजरात के मोरबी में पुल टूटने से 135 व्यक्तियों की मौत हो गई। हादसे के बाद एक सवाल भी उठ रहा है कि क्या पुल के डिजाइन या तकनीक में कोई ऐसी कमी थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। इस पर इंजीनियरों और विशेषज्ञों का स्पष्ट मत है। आईआईटी दिल्ली जैसे देश के विशिष्ट संस्थान का भी मानना है कि पुल गिरने जैसे हादसों के पीछे तकनीकी खामी नहीं, बल्कि इंसानी लापरवाही और लालच कारण है।

आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों का कहना है कि देश में पुल, ब्रिज या फ्लाईओवर बनाने के लिए भरोसेमंद व आधुनिक तकनीक उपलब्ध है। विशेषज्ञों का कहना है कि हादसे तब होते हैं, जब तकनीकी पहलुओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

गौरतलब है कि 30 अक्टूबर को गुजरात के मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना हैंगिंग ब्रिज टूटने से 135 लोगों को मौत हो गई थी। हादसे के बाद 5 दिनों तक हताहत हुए लोगों की तलाश जारी रही। इससे पहले पश्चिम बंगाल में भी एक निर्माणाधीन पुल टूटने की घटना सामने आई थी। उस समय भी निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने के गंभीर आरोप लगे थे।

आईआईटी दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर प्रोफेसर श्रीकृष्णन ने बताया कि मोरबी या ऐसे अन्य पुल टूटने के हादसों का कारण टेक्नोलॉजी का फेलियर या टेक्नोलॉजी की कमी नहीं है। प्रोफेसर कृष्णन के मुताबिक भारत के पास निर्माण के लिए बेहतरीन टेक्नोलॉजी उपलब्ध है। अच्छे निर्माण के लिए आवश्यक है कि मौजूदा टेक्नोलॉजी को सही तरीके से अमल में लाया जाए। आईआईटी दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर के मुताबिक मोरबी जैसे हादसे मानवीय लालच और लापरवाही का नतीजा है। टेक्नोलॉजी की कमी को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

प्रोफेसर श्रीकृष्णन ने कहा कि यदि सभी नियम कायदों का पालन करते हुए निर्माण कार्य या रिनोवेशन की जाए तो ऐसे हादसे नहीं होंगे, लेकिन जब निर्माण से जुड़े व्यक्ति लापरवाही और लालच के कारण नियमों की अनदेखी करते हैं, तो ऐसे ऐसे हादसे सामने आते हैं।

मोरबी नगर पालिका ने 15 साल के लिए 'ओरेवा ग्रुप' नामक एक प्राइवेट कंपनी को झूला पुल की मरम्मत और रखरखाव का काम सौंपा था। कंपनी पर रखरखाव में लापरवाही बरतने का आरोप है। यह हादसा सामने आने के बाद अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अबतक की तफ्तीश में पता चला है कि ओरेवा समूह ने सालों पुराने पुल के रेनोवेशन में महज 12 लाख रुपए ही खर्च किए, जबकि पुल के रेनोवेशन के लिए कंपनी को 2 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे।

मोरबी में पुल टूटने की घटना में करीब 170 लोग घायल हुए थे। दशको पुराने इस पुल को रेनोवेशन के बाद हाल ही में खोला गया था। रेनोवेशन का ठेका ओरेवा ग्रुप को था। कंपनी पर लापरवाही का आरोप है।

यूपी के सात शहरों की प्रदूषण से बिगड़ी हवा, नोएडा में दर्ज किया गया 357 एक्यूआई

लखनऊ (आरएनएस)। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सात शहरों में बीती रात हवा की गुणवत्ता खराब जबकि चार में बेहद खराब दर्ज की गई। 357 के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के साथ, नोएडा राज्य में शीर्ष पर है। इसके बाद मुजफ्फरनगर (332), गाजियाबाद (322) और ग्रेटर नोएडा (312) हैं।

खराब वायु गुणवत्ता वाले सात शहरों में झांसी (277), प्रयागराज (275), बागपत (270), कानपुर (236), मेरठ (225), लखनऊ (216) और बुलंदशहर (219) शामिल हैं।

हालांकि, राज्य के किसी भी शहर ने गंभीर श्रेणी के निशान को पार नहीं किया, जैसा कि शनिवार को हुआ था। लखनऊ में केवल कुकरैल की हवा मध्यम रही।

हालांकि, लखनऊ तालकटोरा औद्योगिक

क्षेत्र के पांच स्थानों पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा स्थापित पांच निगरानी स्टेशनों के अनुसार, औसत एक्यूआई 334 दर्ज किया गया था, जो शनिवार दोपहर 12 बजे यह अधिकतम 379 पर पहुंच गया।

बता दें, शून्य और 50 के बीच एक्यूआई स्तर को अच्छा माना जाता है, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बहुत खराब और 401-500 को गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

श्रीलंका से 10 और शरणार्थी तमिलनाडु के धनुषकोडी पहुंचे

चेन्नई (आरएनएस)। श्रीलंका में बढ़ती बेरोजगारी के कारण वहां से लोगों के पलायन के एक अन्य मामले में श्रीलंका के 10 और तमिल शरणार्थी तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के धनुषकोडी पहुंचे। मंडपम पुलिस स्टेशन में पूछताछ के बाद उन्हें रामनाथपुरम के शरणार्थी शिविर में ठहराया गया।

शरणार्थियों में मन्नार जिले के एम. जयकुमार (45), उनकी पत्नी योगेश्वरी (39), उनकी बेटियां तमिलमती (22) और कनिमती (15) आर. पुष्पम (64) और उसका बेटा प्रभाकर (43), मुलई थीवु से आर. जस्टिन (42), उनकी पत्नी औसियु (36) और उनके बच्चे अंशिका (3) और अंजीता (तीन महीने) शामिल हैं।

धनुषकोडी में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए जस्टिन ने कहा, श्रीलंका में महंगाई के कारण आर्थिक संकट के बाद नौकरियां भी दुर्लभ हो गईं। वहां बच्चों और आश्रितों का पेट भरना मुश्किल हो गया।

जस्टिन ने कहा कि उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों, जिनमें दो बच्चे और उनकी पत्नी औसिया शामिल हैं, ने धनुषकोडी पहुंचने के लिए अपने यात्रा खर्च खातिर पैसे जुटाने के लिए एक साहूकार को चांदी के बर्तन और एक सोने की चेन बेचने का फैसला किया।

एक अन्य शरणार्थी पुष्पम ने कहा कि उसके पास नाविक को पैसे देने और धनुषकोडी पहुंचने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

उन्होंने कहा कि 300 श्रीलंकाई रुपये प्रति किलो चीनी बिक रही है, जबकि चावल की कीमत 250 एसएलआर प्रति किलो है।

पुष्पम ने कहा, संकट के बाद नौकरी नहीं मिलती और नौकरी मिल भी जाती है तो 100 ग्राम चीनी भी नहीं खरीद पाते। मेरा एक 43 साल का बेटा है जो मानसिक रूप से अस्थिर है और वहां जीवन दयनीय था। मैंने अपना सारा सामान बेचकर नाविक को देने के लिए 50,000 एसएलआर जुटाया और धनुषकोडी पहुंच गया। शरणार्थी अब धनुषकोडी के मंडपम पुनर्वास शिविर में बसे हुए हैं। शिविर में पहुंचने वाले श्रीलंकाई शरणार्थियों की कुल संख्या अब 199 हो गई है।

सोना तस्करी के शक में एयरपोर्ट पर सांसद के बेटे की तलाशी, उतरवाए कपड़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। केरल एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के मामले बढ़ने के कारण पुलिस द्वारा सख्ती ज्यादा कर दी गई है। वहीं सोने की तस्करी के संदेह में मुस्लिम लीग के राज्यसभा सदस्य अब्दुल वहाब के बेटे के कपड़े उतारे जाने और एक्स-रे टेस्टिंग का मामला सामना आया है। इस मामले में राज्यसभा सदस्य अब्दुल वहाब ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को चि ी लिखकर शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में दावा किया है कि उनके बेटे को तिरुवनंतपुर एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे तक हिरासत में रखा गया था और फिर जबरन एक्स-रे के लिए एक अस्पताल में ले जाया गया था।

सांसद ने अपनी चि ी में कहा है कि शुरू में उनके बेटे के शरीर की पूरी जांच की गई और बाद में उनके सामान

को भी चेक किया गया। इसके बाद उनके कपड़े उतार दिए गए और फिर उनसे एक्स-रे कराने के लिए जबरन पास के ही एक अस्पताल में ले जाया गया ताकि इस संदेह की जांच की जा सके कि उन्होंने सोने को अपने निजी अंगों में तो नहीं छुपा रखा है या फिर निगल तो नहीं लिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर यह बताने के बाद भी कि वो एक सांसद के बेटे हैं अधिकारी उनकी जांच करते रहे।

शारजाह से वापस लौटा था बेटा

सांसद ने कहा कि यह घटना एक नवंबर को हुई जब उनका बेटा शारजाह से एयर अरेबिया की फ्लाइट से पहुंचा। हालांकि बाद में उसे छोड़ दिया गया क्योंकि एक्स-रे जांच के बाद सोना नहीं मिला था। सांसद ने अपने बेटे के साथ हुई तरह की हरकत को अमानवीय व्यवहार करार दिया है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि हम सीमा शुल्क अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहते हैं जिन्होंने मानदंडों का उल्लंघन किया और उन्हें हिरासत में लिया। सांसद ने कहा, आमतौर पर ऐसी परिस्थितियों में एक्स-रे जांच के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति जरूरी होती है।

इस मामले को लेकर सीमा शुल्क के एक सीनियर अधिकारी ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि यह गलत पहचान का मामला था। विभाग को गुप्त सूचना मिली थी इसी नाम का एक शख्स एयर अरेबिया की उड़ान में बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी कर रहा है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क आयुक्त ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अगर कोई गड़बड़ी मिलती है तो उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 221 तोतों को तस्करी से बचाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने दक्षिण बंगाल के नादिया में भारत-बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास वन्य पक्षियों की तस्करी को नाकाम करते हुए 221 तोतों को बचाया। इस पूरी कार्यवाही को दो अलग अलग जगहों पर अंजाम दिया गया। इन पक्षियों की बांग्लादेश से भारत में तस्करी की जा रही थी। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि जवानों ने दो अलग अलग ऑपरेशन में 221 तोतों को तस्करों के चंगुल से आजाद करवाया है।

जानकारी के मुताबिक पहली घटना दक्षिण बंगाल सीमांत के अंतर्गत सीमा चौकी बेताई इलाके की है। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने देखा कि बांग्लादेश की तरफ से कुछ तस्कर तारबंदी के ऊपर से सामान फेंक रहे थे। उसी समय जवानों ने उनका पीछा किया, लेकिन वो घने अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। बीएसएफ जवानों ने घटनास्थल पर छानबीन की तो वहां पिंजरों में हरे, पीले और सफेद रंग के कुल 128 तोते मिले, जिन्हें जप्त कर लिया गया।

वहीं एक और अन्य घटना में सीमा चौकी रांगियापोटा इलाके में बीएसएफ के जवानों ने 93 लवबर्डस जब्त किए हैं। बीएसएफ ने बताया कि तस्कर इन वन्य पक्षियों को भारत से बांग्लादेश ले जाने वाले थे। फिलहाल आगे की कार्यवाही के लिए सभी छुड़ाए गए पक्षियों को स्थानीय वन विभाग को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि भारत-बांग्लादेश की सीमा पर मवेशियों और पक्षियों की तस्करी भी लगातार बढ़ती जा रही है। इसे रोकने के लिए बीएसएफ के जवानों ने अतिरिक्त सतर्कता भी बढ़ाई है।

आलिया भट्ट बनीं मां, रणबीर कपूर के घर बेटी का हुआ जन्म

मुंबई (आरएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट मां बन चुकी हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के घर में नन्ही बेटी का जन्म हुआ है। कपूर खानदान और भट्ट फैमिली के घर बिटिया का आवगमन हुआ है। पूरा परिवार और उनके चाहने वाले खुशी से झूम रहे हैं। बताया तो ये भी जा रहा है कि आलिया भट्ट की सी-सेक्शन डिलीवरी हुई है। हालांकि इसे लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें रणबीर कपूर रविवार तडक़े ही वाइफ आलिया को लेकर मुंबई के एचएन रिलायंस अस्तपाल पहुंचे थे।

रविवार सुबह 7.30 रणबीर कपूर वाइफ आलिया भट्ट को लेकर मुंबई के एचएन रिलायंस अस्पताल पहुंचे

थे। ये वही हॉस्पिटल है जहां रणबीर के पिता ऋषि कपूर ने अंतिम सांसें ली थी। आलिया के एडिमिट होने के कुछ देर बाद उनकी मां सोनी राजदान और सासु मां नीतू कपूर भी पहुंच गई थीं।

ऋषि कपूर आज होते तो इस दिन की खुशी शायद कुछ ओर होती। खैर अब वह परिवार और अपने फैंस के बीच नहीं है। पर आज का दिन उनके लिए बेहद खास है। नीतू कपूर पोती को लेकर काफी खुश हैं तो भट्ट फैमिली में भी पहले बेबी का जन्म हुआ है। इस समय दोनों ही फैमिली जश्न से झूम रही है।

आलिया भट्ट की डिलीवरी को लेकर कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि एक्ट्रेस की सी-सेक्शन डिलीवरी हुई है। हालांकि इस बारे में अभी ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आयी है। बताया जा रहा है कि मां आलिया और बेबी गर्ल दोनों स्वस्थ है।

आलिया और रणबीर ने एक दूसरे को पांच साल तक डेट किया। इस रिलेशनशिप को कपल ने अप्रैल 2022 में शादी में तब्दील किया। दोनों ने ही बेहद सिंपल अंदाज में शादी की जहां कुछ दोस्त और परिवारवाले पहुंचे थे।

कल होगा पूर्ण चंद्रग्रहण : भारत में आंशिक रूप से दिखाई देगा

उज्जैन (आरएनएस)। खगोलीय घटना के तहत इस वर्ष का अंतिम पूर्ण चंद्रग्रहण आठ नवंबर होगा। लेकिन भारत में यह आंशिक रूप से दिखाई देगा।

शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि इस वर्ष का अंतिम पूर्ण चंद्र ग्रहण आठ नवंबर को होगा और यह ग्रहण भारत में आंशिक रुप से दिखाई देगा। चन्द्रग्रहण सोमवार को दोपहर दो बजकर 38 मिनट से प्रारंभ होगा और इसका मध्यकाल दोपहर चार बजकर 29 मिनट एक सेकंड तथा इसके मोक्ष का समय छह बजकर 19 मिनट दो सेकंड रहेगा।

डॉ. गुप्त ने बताया कि मध्य की स्थिति में चंद्रमा का सौ प्रतिशत भाग पृथ्वी के क्षेत्र में होगा, वास्तव में पूर्ण चंद्र ग्रहण की स्थिति में चंद्रमा पृथ्वी के छाया क्षेत्र में होने के कारण मध्य लाल रंग का हो जाता है। ग्रहण की अवधि चार घंटे 19 मिनट तक रहेगी।

उन्होंने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण उस समय होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच में आती है जिससे सूर्य का प्रकाश चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाता है जिससे पूर्णता के समय हमें चंद्रमा मध्यम लाल रंग का दिखाई देता है , जिसे पूर्ण चन्द्रग्रहण कहते हैं।

गुप्त ने बताया कि यह ग्रहण उत्तरी और दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, उत्तरी प्रशांत महासागर एवं हिंद महासागर में दिखाई देगा और भारत में कोलकाता, कोहिमा, पटना, पुरी, रांची, इंफाल आदि में चंद्रोदय पूर्णता समय सायं पांच बजकर 12 मिनट से पूर्व होने के कारण हम यहां पूर्ण चंद्र ग्रहण देख सकेंगे, शेष भारत में चंद्रोदय की स्थिति के अनुसार आंशिक चंद्रग्रहण ही दृश्य होगा।

उन्होंने बताया कि धार्मिक नगरी उज्जैन में चंद्रोदय सांय पांच बजकर 43 मिनट पर होने के कारण 36 मिनट तक शाम छह बजकर 19 मिनट तक यह ग्रहण आंशिक तौर पर दिखाई देगा।

उन्होंने बताया कि चंद्र ग्रहण को हम खुली आंखों या टेलिस्कोप से देख सकते हैं पूर्वी भारत को छोडक़र देश के अधिकांश भागों में चंद्रोदय एवं ग्रहण समाप्ति के समय में ज्यादा अंतर नहीं होने के कारण हम अल्प समय के लिए आंशिक चंद्र ग्रहण ही देख सकेंगे।

उज्जैन की सबसे प्राचीन वेधशाला में आम नागरिकों को चंद्र ग्रहण को दिखाने की पूरी व्यवस्था की गई है।